टीबी देखभाल के लिए लैंगिक रूप से संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाना

प्रमुख पहलू

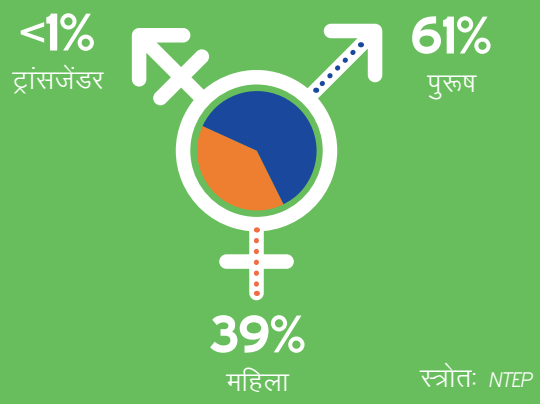

स्त्रोतः *NTEP*

परिचय

भारत वैश्विक क्षय रोग (टीबी) से अधिक प्रभावित है, जिसमें से हर साल एक चौथाई टीबी से ग्रसित नए लोग होते हैं। 2023 में, National Tuberculosis Elimination Programme (NTEP) में नामांकित 25.5 लाख से अधिक टीबी मामलों में से 61 प्रतिशत पुरुष, 39 प्रतिशत महिलाएं और <1 प्रतिशत ट्रांसजेंडर थे।

टीबी का अनुभव और इसका प्रभाव पुरुषों, महिलाओं और LGBTQIA++ समुदाय के लिए अलग–अलग होता है। टीबी उन्मूलन के लिए भारत का नेशनल स्ट्रेटेजिक प्लान (2017–25) लैंगिक रूप से संवेदनशील दृष्टिकोण की आवश्यकता को पहचानता है, जो प्रत्येक समूह की विशिष्ट लैंगिक आवश्यकताओं के साथ–साथ अन्य सामाजिक–आर्थिक पहलुओं के साथ लैंगिकता के अन्तर्सम्बन्धों पर आधारित है।

टीबी के संदर्भ में लिंग, लैंगिकता और लैंगिक आमुखीकरण की गतिशीलता को समझना, लैंगिक रूप से संवेदनशील स्वास्थ्य प्रणाली के निर्माण की दिशा में पहला कदम है।

टीबी के लिए लैंगिक रूप से संवेदनशील दृष्टिकोण तैयार करना

भारत टीबी के अधिक भार वाले प्रथम देशों में से एक है जिसने टीबी के लिए लैंगिक रूप से संवेदनशील दृष्टिकोण के लिए रूपरेखा बनाई है। इस रूपरेखा का उद्देश्य टीबी से प्रभावित cis women, LGBTQIA++ व्यक्तियों और cis men की जरूरतों को पूरा करना है। यह NSP के चार स्तंभों – Detect, Treat, Prevent and Build – का उपयोग करके लैंगिक रूप से संवेदनशील टीबी देखभाल के लिए मौलिक रणनीतियों एवं कार्यों को चित्रित करता है।

इस संक्षिप्त विवरण का उद्देश्य पाठकों को टीबी के लिंग आधारित आयामों को समझने में मदद करना है तथा यह बताना है कि किस प्रकार स्वास्थ्य प्रणाली एवं समुदाय स्तर पर लैंगिक रूप से संवेदनशील ढांचा एक समावेशी टीबी देखभाल प्रतिक्रिया तैयार कर सकता है।

लिंग, यौन रूझान और टीबी के बीच संबंध

टीबी प्रभाव

कुल मिलाकर, महिलाओं की तुलना में पुरुष टीबी से ज्यादा प्रभावित हैं। हालाँकि, यह संभव है कि स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच कम होने और भेदभाव के कारण महिलाओं के उपचार में देरी अधिक होती है, जो देखभाल की जरूरत को प्रभावित कर सकता है। भारत के टीबी कार्यक्रम में ट्रांसजेंडर की पहचान दर्ज की जाती है, परंतु फिर भी LGBTQIA++ समुदायों में टीबी नामांकन बहुत कम हैं।

लिंग आधारित जोखिम और कमज़ोरियां

- **महिलाएं** अक्सर वेतनभोगी काम, अवैतनिक घरेलू श्रम और घर पर देखभाल की ज़िम्मेदारियों का तिहरा बोझ उठाती हैं। वित्तीय स्वतंत्रता की कमी संसाधनों तक उनकी पहुँच को कम करती है और सामाजिक अंतर को बढ़ाती है। ये सभी कारक उन्हें टीबी के प्रति अधिक संवेदनशील बनाते हैं।
- **पुरुषों** को परिवार के लिए आय अर्जित करने और मज़बूत, मर्दाना एवं कमज़ोर न दिखने के दबाव का सामना करना पड़ता है। पुरुषों में धूम्रपान और शराब पीने जैसे जोखिम भरे व्यवहारों के चलते टीबी के प्रति उनकी कमज़ोरी बढ़ जाती है।
- **LGBTQIA++** व्यक्तियों को कानूनी और सुरक्षात्मक ढांचों में कमियों के कारण सामाजिक तथा आर्थिक स्तर पर पिछड़ेपन, भेदभाव एवं बहिष्कार का सामना करना पड़ता है। सामाजिक–आर्थिक असुविधा, अपर्याप्त आवास और स्वास्थ्य संबंधी बाधाओं के कारण टीबी के प्रति संवेदनशीलता बढ़ जाती है।
- टीबी **पुरुषों और महिलाओं के लिए एक व्यावसायिक जोखिम** भी है, विशेष रूप से अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत लोगों के लिए।

स्वास्थ्य व्यवहार और स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच

महिलाएं

- अनौपचारिक सेवा प्रदाताओं तक पहुँचने की अधिक संभावना
- टीबी होने के संदेह को कम आंकना
- टीबी के अलग–अलग लक्षण पाए जाना
- स्वास्थ्य केंद्रों में जाँच के लिए निजता को अक्षुण्ण रखने वाले स्थान की कमी
- महिला डॉक्टरों तक पहुँच की कमी

पुरुष

- स्वास्थ्य केन्द्रों के खुलने का समय और दूरी के कारण स्वास्थ्य सेवा तक पहुँचने में कठिनाइयों का सामना करना
- स्वास्थ्य कर्मचारियों के नकारात्मक व्यवहार का सामना करना
- निजी क्लीनिकों में परामर्श के लिए अधिक पैसे खर्च करना

LGBTQIA++ समुदाय

- लांछन, भेदभाव और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है
- जांच के लिए निजता को अक्षुण्ण रखने वाले स्थानों की कमी
- देखभाल में गोपनीयता की कमी
- स्वास्थ्य केंद्रों पर मुफ्त टीबी सेवाओं तक पहुँच की जानकारी की कमी

उपचार का पालन करना और उपचार पूर्ण करना

- **महिलाओं** में उपचार पूरा करने की संभावना अधिक होती है, तथा उपचार के बेहतर परिणाम मिलते हैं। विवाहित महिलाएं कई कारणों से उपचार पूरा नहीं कर पाती हैं, जैसे कि ससुराल वालों को टीबी के बारे में न बताना, तथा सामाजिक भेदभाव, आत्म–ग्लानि और छोड़े जाने के डर के कारण महिलाएं अपने टीबी उपचार को छिपाती हैं, या गर्भावस्था में टीबी की दवाओं की सुरक्षा के बारे में अधूरी जानकारी रखती हैं।
- **पुरुष,** विशेष रूप से वे जो धूम्रपान करते हैं या शराब का सेवन करते हैं, उन्हें टीबी का उपचार पूरा करने में संघर्ष करना पड़ता है। प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया (ADR) या टीबी दवाओं के प्रति विषाक्तता, पलायन, तथा अन्य केंद्रों से दवाएं लेना भी उपचार पूरा न कर पाने के कुछ कारण हैं।
- LGBTQIA++ व्यक्ति आर्थिक अस्थिरता, सामाजिक भेदभाव, तथा अन्य भेदभाव के कारण अक्सर उपचार पूरा नहीं कर पाते हैं।

सामाजिक–आर्थिक और मनोसामाजिक प्रभाव

- टीबी के उपचार का **महिलाओं** के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है और पारिवारिक जिम्मेदारियों के दबाव को संभालने की उनकी क्षमता प्रभावित होती है।
- काम न कर पाने या परिवार का भरण–पोषण न कर पाने का दबाव **पुरुषों** पर काफी अधिक होता है।
- टीबी का सामाजिक–आर्थिक और मनोसामाजिक प्रभाव LGBTQIA++ **व्यक्तियों** के लिए बहुत अधिक एवं असहाय महसूस करवाने वाला है, क्योंकि अक्सर उनके पास सामाजिक सुरक्षा के तौर पर परिवार तथा समुदाय का साथ नहीं होता है।

टीबी से संबंधित भेदभाव का अलग–अलग अनुभव

- **महिलाओं** के लिए यह भेदभाव विवाह से संबंधित समस्याओं, उत्पीड़न और घर में अलग–अलग व्यवहार से जुड़ा हुआ है।
- **पुरुष** कम आय के कारण सामाजिक एकाकीपन तथा नौकरी छूटने का अनुभव करते हैं।
- LGBTQIA++ **व्यक्तियों** के साथ भेदभाव तीन स्तर पर है – LGBTQIA++ व्यक्ति होने के कारण सामाजिक भेदभाव, ऐसे LGBTQIA++ व्यक्ति जो टीबी से ग्रसित हो या उन्हें टीबी से ग्रसित होने की शंका हो और ऐसे LGBTQIA++ व्यक्ति जो एच.आई.वी. एवं टीबी से ग्रसित या जिन्हें एच.आई.वी. से ग्रसित होने की शंका हो।

टीबी के प्रति लैंगिक रूप से संवेदनशील दृष्टिकोण के कार्यान्वयन के लिए रूपरेखा द्वारा सुझाए गए कदम

राष्ट्रीय, राज्य, जिला और उप–जिला स्तर पर **NTEP कर्मचारियों को प्रशिक्षण** दिया जाना ताकि वे cis women, LGBTQIA++ व्यक्तियों और cis men के विभिन्न टीबी लक्षणों, टीबी और लिंग के बीच अंतःक्रिया और लैंगिक संवेदनशीलता को समझ सकें और उन्हें स्वीकार कर सकें

स्वास्थ्य प्रणाली और सामुदायिक स्तर पर टीबी का डिटेक्शन, उपचार करने तथा रोकथाम के लिए **लैंगिक रूप से संवेदनशील दृष्टिकोण**

समुदाय में **टीबी उपचार समर्थकों के चयन में लैंगिक विविधता को ध्यान में रखना**

प्रभावित समुदायों के अनुभवों से सीखना और टीबी से ग्रसित लोगों के लिए सहायता समूह बनाने में सहयोग देना

नेतृत्व की भूमिकाओं और टीबी मंचों में सभी लिंगों तथा यौन आमुखीकरण के **प्रभावित समुदाय के प्रतिनिधियों का समान और उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना**

टीबी से ठीक हो चुके **लोगों सहित टीबी प्रभावित समुदाय** को लैंगिक रूप से संवेदनशील ACSM गतिविधियों की डिजाइनिंग, योजना एवं कार्यान्वयन में सह–निर्माता के रूप में शामिल करना

टीबी प्रोग्रामिंग ढांचे में लैंगिकता को मुख्यधारा में लाना और लैंगिक रूप से–संवेदनशील मूल्यांकन को शामिल करना

शोध में पिछड़े और सामाजिक रूप से कमजोर समूहों जैसे कि cis women और LGBTQIA++ व्यक्तियों पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए ताकि उनकी स्वास्थ्य आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से समझा जा सके

राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर स्वास्थ्य से इतर मंत्रालयों और विभागों के साथ सहयोग का निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण सहित **बहुक्षेत्रीय प्रतिक्रिया की रूपरेखा तैयार करना**

स्वास्थ्य प्रणाली और सामुदायिक स्तर पर टीबी के प्रति लैंगिक रूप से संवेदनशील दृष्टिकोण का क्रियान्वयन

टीबी का पता लगाना (TB Detection)

स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए प्रमुख कार्यवाहियां

- कमजोर समूहों के बीच सामुदायिक स्तर पर मानचित्रण, स्क्रीनिंग और Active Case Finding (ACF) करना
- विभिन्न लिंगों और यौन आमुखीकरण में उपचार तक पहुंच को ट्रैक करना तथा उसका विश्लेषण करना

सामुदायिक स्तर पर प्रमुख कार्यवाहियां

- टीबी चैंपियंस, टीबी सर्वाइवर–लेड नेटवर्क और LGBTQIA++ समुदायों की सक्रिय भागीदारी:
  - समुदाय तक पहुंचना
  - समुदाय से एक मजबूत प्रतिक्रिया तंत्र सुनिश्चित करना
- ACF ड्राइव में टीबी चैंपियंस, स्थानीय समुदाय के नेताओं और LGBTQIA++ समुदायों की भागीदारी

टीबी का उपचार (TB Treatment)

स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए प्रमुख कार्यवाहियां

- उपचार शुरू करने के दौरान लिंग संबंधित आवश्यकताओं को समझने के लिए NTEP कर्मचारियों को प्रशिक्षित करना
- स्वास्थ्य सुविधाओं में लिंग संबंधी रूढ़िवादिता से बचना
- टीबी से पीड़ित ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की विशिष्ट आवश्यकताओं की पहचान करना और उनका समाधान करना
- महिलाओं और LGBTQIA++ व्यक्तियों के साथ भेदभाव को रोकना
- नई उपचार व्यवस्थाओं में लैंगिक रूप से समावेशी पहुँच को सुनिश्चित करना
- निजता और गोपनीयता बनाए रखना, तथा सूचित सहमति सुनिश्चित करना
- लिंग–आधारित हिंसा के प्रति संवेदनशील टीबी से ग्रसित लोगों के लिए सहायता सेवाओं तक पहुँच को आसान बनाना

सामुदायिक स्तर पर प्रमुख कार्यवाहियां

- टीबी से ग्रसित लोगों को लैंगिक रूप से संवेदनशील सहकर्मी सहायता प्रदान करने के लिए टीबी से ठीक हो चुके लोगों और टीबी चैंपियंस का क्षमता निर्माण करना
- टीबी चैंपियन के रूप में ऐसी महिलाओं एवं लोगों को सम्मिलित करना जो स्वयं को LGBTQIA++ के रूप में पहचानते हैं
- टीबी फोरम और ठीक हो चुके लोगों के नेतृत्व वाले नेटवर्क के माध्यम से उपचार सेवाओं की गुणवत्ता पर सामुदायिक निगरानी एवं प्रतिक्रिया देना
- पर्याप्त और समान प्रतिनिधित्व के साथ जिला, राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर टीबी फोरम का गठन करना

	स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए मुख्य कार्य	समुदाय स्तर पर मुख्य कार्य
टीबी की रोकथाम (TB Prevention)	• विभिन्न लिंगों और यौन पहचान वाले टीबी से ग्रसित लोगों की संपर्क जांच सुनिश्चित करना • परिवारों में विशेष रूप से कमज़ोर लोगों की जांच सुनिश्चित करना, जिसमें देखभाल करने वाली महिलाएं, खाना पकाने के लिए ठोस ईंधन का उपयोग करने वाली महिलाएं, टीबी से ग्रसित लोगों के संपर्क में आने वाली गर्भवती या प्रसवोत्तर महिलाएं, धूम्रपान करने वाले, नशीली दवाओं या शराब का सेवन करने वाले सभी लिंगों और यौन पहचान वाले लोग तथा LGBTQIA++ व्यक्ति एवं उनके संपर्क शामिल हैं, जिन्हें भीड़भाड़ वाले समुदायों में रहने के लिए मजबूर किया जाता है और जिनकी स्वास्थ्य सेवा तक सीमित पहुँच है	• टीबी चैंपियंस, सर्वाइवर–लेड नेटवर्क और LGBTQIA++ कलेक्टिव द्वारा टीबी से ग्रसित लोगों को परामर्श देना ताकि TPT को बढ़ावा दिया जा सके • क्लिनिकल सेटिंग्स से इतर TPT की उपलब्धता सुनिश्चित करना • टीबी से ग्रसित लोगों, टीबी चैंपियंस और सर्वाइवर–लेड नेटवर्क से टीबी से ग्रसित लोगों द्वारा सामना की जाने वाली आम सामाजिक–सांस्कृतिक समस्याओं के बारे में फीडबैक मांगना
लैंगिक रूप से संवेदनशील स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण	• सभी नियमित कार्यक्रम बैठकों और समीक्षाओं में लैंगिक मुद्दों को शामिल करना • लंबी अवधि से स्वास्थ्य प्रणाली में शामिल लोगों में लैंगिक समानता का लक्ष्य रखना • समुदाय में उपचार समर्थकों के चयन में लैंगिक विविधता और समावेशी दृष्टिकोण अपनाना	• प्रभावित समुदायों के अनुभवों से सीखने में निवेश करना • नेतृत्व की भूमिकाओं में सभी लिंगों और यौन आमुखीकरण के प्रभावित समुदाय के प्रतिनिधियों का बराबर तथा उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना एवं टीबी मंचों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना
लैंगिकता के दृष्टिकोण से पर्यवेक्षण, निगरानी और मूल्यांकन	• कर्मचारियों के लिंग और लिंगभेद प्रशिक्षण का मूल्यांकन करना एवं प्रोग्रामिंग में लिंग के बारे में समझना • लिंग–संवेदनशील हस्तक्षेप सुनिश्चित करने के लिए तंत्र तैयार करने के लिए लिंग–विभाजित आंकड़ों को रिकॉर्ड करने, व्याख्या करने और लागू करने पर ध्यान केंद्रित करना • सभी स्तरों पर कार्यक्रम द्वारा उपयोग किए जाने वाले मौजूदा मूल्यांकन ढांचे में लिंग–संवेदनशील प्रोग्रामिंग को शामिल करना	

लैंगिक आयामों को पहचानना और स्वीकार करना तथा टीबी देखभाल एवं उपचार के लिए लैंगिक–संवेदनशील दृष्टिकोण को अपनाना महत्वपूर्ण है, ताकि प्रत्येक महिला, पुरुष एवं व्यक्ति जो LGBTQIA++ के रूप में पहचान रखते हैं, उन्हें उच्च गुणवत्ता वाली विशिष्ट लैंगिक देखभाल प्राप्त हो, जिसके वे हकदार हैं।

25 REACH Equitable Health for All

Resource Group for Education and Advocacy for Community Health (REACH)
No. 194, 1st Floor, Avvai Shanmugam Salai Lane,
Lloyds Road, Royapettah, Chennai – 600014
Phone: 044-45565445 / 28132099

Email: support@reachindia.org.in
Media Related Queries: media@reachindia.org.in

www.reachindia.org.in @Speaktb @SPEAKTB @REACHSpeakTB

All photographs in this report that feature TB Champions and/or people with TB are used with full, informed consent.

This document is made possible by the generous support of the American People through the United States Agency for International Development (USAID). The contents are the sole responsibility of REACH and do not necessarily reflect the views of USAID or the United States Government.